7.12.18 (E)

[This question paper contains 7 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7014** **IC**

Unique Paper Code : 62131117

Name of the Course : **B.A.(Prog.) Sanskrit C - CBCS**

Name of the Paper : Sanskrit C : Niti Literature (Core)

Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

Instructions for Candidates :

छात्रों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

P.T.O.

munotes.in

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.

इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कश्त** या **अंग्रेजी** या **हिंदी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

(c) Answer **all** questions.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Part - A

भाग - अ

1. Translate the following : 6+6=12

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

(क) अथ तस्य स्वप्ने पद्मनिधिः क्षपणकरूपी दर्षनं दत्त्वा प्रोवाच–भोः श्रेष्ठिन्! मा त्वं वैराग्यं गच्छ। अहं पद्मनिधिस्तव पूर्वपुरुषोपार्जितः। तदनेनैव रूपेण प्रातस्त्वद्गष्हमागमिष्यामि। ततस्त्वयाऽहं लगुडप्रहारेण षिरसि ताडनीयः , येन कनकमयो भूत्वा अक्षयो भवामि।'

OR

अथवा

तेषां त्रयः शास्त्रपारंगताः परन्तु बुद्धिरहिताः। एकस्तु बुद्धिमान् केवलं शास्त्रपराङ्मुखः। अथ तैः कदाचिन्मित्रैर्मन्त्रितं –'को गुणो विद्यायाः , येन देशान्तरं गत्वा भूपतीन् परितोष्यार्थोपार्जना न क्रियते ? तत्पूर्वदेशं गच्छामः।'

(ख) स आह– 'मित्र! अहं तव भ्रातष्जायया निष्ठुरतरैर्वाक्यैरभिहितः यत्– भोः कष्तघ्न! मा मे त्वं स्वमुखं दर्षय , यतस्त्वं प्रतिदिनं मित्रमुपजीवसि , न च तस्य पुनः प्रत्युपकारं गष्हदर्षनमात्रेणापि करोषि । तत्ते प्रायष्चित्तमपि नास्ति।'

OR

अथवा

तत्रैकः प्रोवाच– 'केन मार्गेण गच्छामः ?' एतस्मिन्समये तस्मिन् पत्तने कष्चिद्वणिक्पुत्रो मष्तः। तस्य दाहाय महाजनो गतोऽभूत्। ततष्चतुर्णां मध्यादेकेन पुस्तकमवलोकितम्– महाजनो येन गतः स पन्थाः इति।

munotes.in

2. Explain the following with reference to the context : 8

निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसंकटे।

राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः।।

OR

अथवा

ददाति प्रतिगृह्णाति गुह्यमाख्याति पृच्छति।

भुङ्क्ते भोजयते चैव षड्विधं प्रीतिलक्षणम्।।

3. Write a summary of 'मूर्खपण्डितकथा' **or** 'वानरमगरमच्छकथा' on the basis of Panchatantra. 10

पंचतंत्र के आधार पर 'मूर्खपण्डितकथा' **अथवा** 'वानरमगरमच्छकथा' का सारांश लिखिए।

Part - B

भाग - ब

4. Translate the following : 6

निम्नलिखित का अनुवाद कीजिए :

बोद्धारो मत्सरग्रस्ताः प्रभवः स्मयदूषिताः।

अबोधोपहताश्चान्ये जीर्णमङ्गे सुभाषितम्।।

OR

अथवा

स्वल्पस्नायुवसावशेषमलिनं निर्मांसमप्यस्थिकं

श्वा लब्ध्वा परितोषमेति न तु तत्तस्य क्षुधाशान्तये।

सिंहो जम्बुकमंकमागतमपि त्यक्त्वा निहन्ति द्विपं

सर्वः कच्छ्रगतोऽपि वाञ्छति जनः सत्त्वानुरूपं फलम्।।

5. Explain any **two** of the following with reference to the context : 7+7=14

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अज्ञः सुखमाराध्यः सुखतरमाराध्यते विशेषज्ञः।

ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्मापि चतं नरं न रंजयति।।

mynotes.in

(ख) यदा किंचिज्ज्ञोऽहं द्विप इव मदान्धः समभवं

तदा सर्वज्ञोऽस्मीत्यभवदवलिप्तं मम मनः।

यदा किंचित्किंचिदबुधजनसकाशादवगतं

तदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो मे व्यपगतः।।

(ग) वरं पर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचरैः सह।

न मूर्खजनसम्पर्कः सुरेन्द्रभवनेष्वपि।।

6. Describe the nature of a 'wicked man' (नीच व्यक्ति) as depicted by Bhartrihari. 10

भर्तृहरि के अनुसार 'नीच व्यक्ति' की प्रकृति का वर्णन कीजिए।

OR

अथवा

'Speech is real ornament of a man- comment.

'वाणी मनुष्य का वास्तविक आभूषण है'– टिप्पणी कीजिए।

Part - C

भाग - स

7. Write short notes on any **three** of the following : 5+5+5=15

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

रघुवंशम् , स्वप्नवासवदत्तम् , भवभूति, भारवि , अभिज्ञानशाकुन्तलम्।

munotes.in